

# ॥ श्री स्वामिनारायणो विजयतेत्राम ॥



मासिक परीक्षा

प्रश्नपत्र - ८

ता. १८ मे २०१३

परीक्षार्थी नुं नाम:

1. श्री सच्चिदानंद स्वामीजी नुं पूर्वाश्रम नुं नाम ने गाम नुं नाम जणावो.
2. जेवी देह ने देहना संबंधीने विषे गाढ प्रीति छे तेवी सत्संगमां गाढ प्रीति केम नथी थती?  
[अनुसंधान: श्री वचनामृत (ग.प्र.प्र.)]
3. ब्रह्मचर्यव्रत राभवाना केटला उपाय छे? अने कथां-कथां? [अनुसंधान: श्री गुणातीतानंद स्वामीजी नी वातो प्र-प]
4. पंचमहापाप कोने कहेवाय? [अनुसंधान: श्री धर्माभूत]
5. ज्ञान कोने कहेवाय? [अनुसंधान: श्री शिक्षापत्रि]
6. श्रीजीमहाराज ना आ पृथ्वी उपर पधारवाना छ हेतु जणावो.
7. श्रीजीमहाराज ना दिव्य स्वरूपमां वांसा ना भागमां तिल छे? ने कथां-कथां?
8. श्री शिक्षापत्रि शास्त्र कोने अने क्यारे प्रगट कर्यो?
9. पिता श्रीधर्मदेवजी अे पुत्ररूप श्रीहरिजी ने शुं शिष्यामण आपे छे? [अनुसंधान: श्री भक्तचिंतामणी]
10. श्री गोपाणानंदस्वामीजी गुण नी प्रवृत्ति केवी कहे छे? तेने जतवा ना उपायो शुं बताने छे? ने जव सिद्ध केम थाय छे ते जणावो. [अनुसंधान: श्री गोपाणानंदस्वामीजी नी वातो (प्र. २)]
11. श्रीजीमहाराज ना करेला त्रण गुढ संकल्पो विस्तार थी लभो. [अनुसंधान: श्रीमद् सत्संगीजवन प्र. - ४]
12. प्रीतिनुं लक्षण श्री वचनामृत मांथी जणावो. [अनुसंधान: श्री वचनामृत (का. प्र.)]
13. भगवान श्रीहरिजी अे कहेलो सर्वव्रतो करता अेकादशी नो सर्वोत्तम महिमा जणावो. [अनुसंधान: श्रीमद् सत्संगीजवन]
14. श्रीस्वामिनारायण महामंत्र कथां, क्यारे अने कोने प्रगट कर्यो?
15. मूर्ति मां प्रत्यक्ष भाव केवी रीते केणववो? [अनुसंधान: १०८ श्री नृगेन्दप्रसादजी महाराज नी दिव्य अभूतवाणी]

प्रकाशक:

श्री लक्ष्मीनारायण देव युवक मंडल (लंडन, यु. के.) अने

श्री स्वामिनारायण आज्ञा उपासना सत्संग मंडल. (यु. के.)

पानु: 1